तापमान

अधिकतम 30.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि रत्न भूमि

रायपुर, सोमवार 11 मई 2026

11 तालाब भरने के चक्कर में डूबी किसानों की पकी फसल...

12 पहाड़ों पर चढ़कर भविष्य लिख रहे प्रगणक...

हरिभूमि सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार 2026

सामान्य कूपन 11 मई 2026

कूपन नं. 1

वन एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा में योगदान दे रही महिला अफसर एवं कर्मचारी

महिला वन कर्मचारी एवं अफसरों ने चुनौतियों को स्वीकारा

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

नारी को शक्ति स्वरूपा कहा गया है और इसी शक्ति का परिचय देती नजर आ रही है। वन विभाग में कार्यरत महिला अफसर और कर्मचारी जो न सिर्फ अपने परिवार का पालन पोषण करती है बल्कि खाकी पहनकर वन्य प्राणियों और जंगलों की रक्षा भी करती है। आज देश में लगभग हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही अखिल भारतीय सेवाओं में आईपीएस, आईएएस, आईएफएस समेत हर पोस्ट पर महिलाएं काबिज हैं छत्तीसगढ़ प्रदेश के उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व जैसे वन क्षेत्र में भी महिलाएं आगे आकर अब वन अफसर तथा वनकर्मी और दूसरे पदों पर भी सेवाएं दे रही हैं। भारतीय वन सेवा, राज्य वन सेवा, क्षेत्रीय वन अधिकारी, वनपाल, सहायक वनपाल और वनरक्षक के पदों पर महिलाओं ने जिम्मेदारी उठा रखी है जंगलों में महिला कर्मचारी ट्रैकिंग पर जाती हैं और पुरुषों के बराबर काम करती नजर आ रही है। 10 मई को अन्तर्राष्ट्रीय मातृ दिवस मनाया जा रहा है यह विशेष दिन माताओं के असीम प्रेम, त्याग और परिवार व समाज में उनके अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए उन्हे समर्पित है। ऐसे महत्वपूर्ण दिन पर आपको बताते चले कि टाईगर रिवर्ज जैसे बेहद दुर्गम जंगल में वन्य प्राणियों और जंगल की सुरक्षा में तैनात महिला अफसरो और कर्मचारियों के योगदान को भी ▶▶|शेष पेज 10 पर

9 महिला अफसरों ने संभाल रखी है कमान

उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व में तीन महिला वन अफसर वन परिक्षेत्र उत्तर उदंती में ज्योति ध्रुव, सीतानदी में कविता ठाकुर, अरसीकन्हार में अनामिका वर्मा वन अफसर के रूप में तैनात है तो वहीं टीकेश्वरी साहू शीवा शुक्ला, जय ललिता ध्रुव, परमेश्वरी, ललिता मरकाम, रिंकी जोशी कुल 9 महिला अफसर और कर्मचारी जंगल की सुरक्षा में तैनात है और प्रतिदिन जंगल में इन्हे देखा जा सकता है जो वन्य प्राणियों के साथ ही जहां जंगलो की सुरक्षा कर रहे है वहीं दूसरी अवैध अतिक्रमण के साथ ही जंगल में अवैध शिकार के मामलो में आरोपियों को पकड़ने में अपने महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाते नजर आयी हैं और पुरुष स्टाफ के साथ-साथ महिला स्टाफ भी कंधे से कंधा मिलाकर वन संसाधन और वन्य प्राणियों की रक्षा के लिए जुटी हुई हैं।

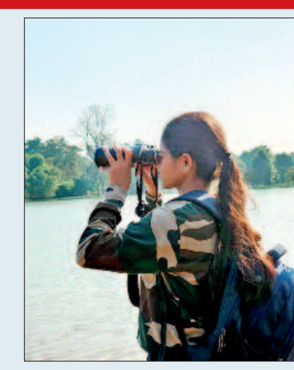

खबर संक्षेप

पोखरा में आज लगेगा सुशासन तिहार शिविर

राजिम। राजिम विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पोखरा में आज सोमवार 11 मई को सुशासन तिहार 2026 संवाद से समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री तथा गरियाबंद जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल मुख्य रूप से शामिल होंगे। कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू सहित भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकार, जिला पंचायत सभापति नंदनी डीडी, जनपद अध्यक्ष इंद्राणी नेहरू साहू, जनपद उपाध्यक्ष सतीश यादव की भी विशेष उपस्थिति रहेगी। शिविर के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा आमजनों की समस्याओं एवं मांगों का निराकरण किया जाएगा। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, कलेक्टर जिला सीईओ, सहित समस्त विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रहेगी।

जल संकट : पानी के लिए ग्रामीण 2 किमी दूर जाने को मजबूर

तालाब सूखे, निस्तार को तरसे ग्रामीण जिले के कई गांवों में गहराया जल संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

एक ओर भीषण गर्मी का कहर लगातार बढ़ रहा है, तो दूसरी ओर ग्रामीण अंचलों में पेयजल के साथ-साथ अब निस्तारी जल संकट भी गंभीर रूप ले चुका है। हालात इतने बदतर हो गए हैं कि कई गांवों में ग्रामीणों और मवेशियों को एक ही तालाब में नहाने और दैनिक उपयोग के लिए पानी जुटाने को मजबूर होना पड़ रहा है। कुछ गांवों में तो स्थिति ऐसी है कि तालाब पूरी तरह सूख चुके हैं और लोगों को नहाने-धोने के लिए कई किलोमीटर दूर नदी, बांध और पोखरों का सहारा लेना पड़ रहा है। जिला मुख्यालय से चंद किलोमीटर दूर स्थित मालगांव, कोदोबतर, साढ़ोली, पारागांव, चिखली और तवरबाहरा सहित कई गांव इन दिनों निस्तार पानी की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। गर्मी बढ़ने के साथ तालाबों का जलस्तर तेजी से घटा है, जिससे ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ गई है। दिनभर खेत-खलिहान और घरेलू कामकाज में जुटे लोगों को अब स्नान और अन्य दैनिक जरूरतों के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक तस्वीर ग्राम पंचायत पोंड से सामने आई है, जहां गांव के लगभग सभी प्रमुख तालाब सूख चुके हैं। गांव में कुल छह बड़े तालाब राजा तालाब, धुनसिंह ▶▶|शेष पेज 12 पर

प्रशासनिक अनदेखी का आरोप

पोंड गांव के ग्रामीणों ने बताया कि गांव में नहाने और दैनिक उपयोग के लिए पानी नहीं होने के कारण उन्हें करीब दो किलोमीटर दूर कुकदा बांध और पैरी नदी तक जाना पड़ता है। महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे भी इस कठिनाई का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल गर्मियों में यही समस्या सामने आती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। ग्राम पंचायत पोंड की सरपंच कौशल्या कंवर ने बताया कि गांव के तालाबों में पानी बनाए रखने के लिए पैरी नदी से लिफ्ट सिस्टम के जरिए पानी चढ़ाया जाता है, जिससे गर्मी के दिनों में कुछ राहत मिलती है। लेकिन इस बार सिंचाई विभाग की ओर से समय रहते कोई व्यवस्था नहीं की गई।

संघर्ष और ममता की मिसाल...

मैनपुर। मातृ दिवस के अवसर पर आदिवासी वनांचल मैनपुर क्षेत्र के ग्रामीण इलाके के गांव में आदिवासी कमार जनजाति की एक महिला अपने दूधमूही बच्चों को लेकर दोपहर तेज धूप जंगल से वनोपज और लकड़ी लेकर घर लौटते इस तस्वीर में एक मां के द्वारा अपने बच्चों के और परिवार के पालन पोषण के लिए किया जा रहे संघर्ष दिखाई दे रहा है।

सरपंच पति ने सचिव से की मारपीट सचिव संघ ने घेरा थाना, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

खोला पंचायत के सचिव कुंदन साहू के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि ग्राम खोला के सरपंच पति तुलाराम साहू ने अभनपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक के पास सचिव के साथ मारपीट की। घटना के बाद सचिव संघ में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। मामले को लेकर ब्लॉक सचिव संघ के अध्यक्ष शेषनारायण साहू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सचिव अभनपुर थाना पहुंचे और आरोपी सरपंच पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। सचिव संघ ने कहा कि शासकीय कार्य कर रहे कर्मचारियों के साथ इस प्रकार की घटना बेहद निंदनीय है तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं अभनपुर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चरौदा में हाईस्कूल का उन्नयन है लंबित, छात्राओं ने छोड़ी पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

सुशासन के दावों के बीच जिला गरियाबंद की तहसील छुरा के अंतर्गत आने वाले आदिवासी बाहुल्य ग्राम चरौदा के ग्रामीण आज भी बुनियादी शिक्षा सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ग्राम चरौदा स्थित हाईस्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नत करने की मांग वर्षों से लंबित है, जिससे क्षेत्र के बच्चों का भविष्य अंधकार में नजर आ रहा है।विधानसभा अध्यक्ष से लेकर शिक्षा मंत्री तक गुहार बेकार ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल के उन्नयन को बजट में शामिल करने के लिए पहला आवेदन विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को और दूसरा आवेदन शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव को सौंपा गया था। इसके अलावा शासन-प्रशासन के 'सुशासन तिहार' कार्यक्रमों में भी कई बार आवेदन दिए गए, लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई।15 किमी का सफर और पढ़ाई छोड़ने की मजबूरी चरौदा और आसपास के आदिवासी क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को 11वीं और 12वीं की पढ़ाई के लिए 14 से 15 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। दुर्गम रास्ता और परिवहन के साधनों के अभाव के कारण कई छात्राओं को बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के समय नेता बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन जीतने के बाद शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय को भूल जाते हैं।इन जनप्रतिनिधियों ने उठाई आवाज ,इस गंभीर समस्या को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ▶▶|शेष पेज 10 पर

शॉर्ट सर्किट से ट्रैक्टर में लगी आग चालक ने कूदकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

राजिम थाना क्षेत्र के ग्राम कौदकेरा और भैसातरा पहुंच मार्ग पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब सड़क किनारे खड़े एक ट्रैक्टर में अचानक भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर की बैटरी में शॉर्ट सर्किट होने से इंजन में आग भड़क उठी और देखते ही देखते पूरा ट्रैक्टर आग की चपेट में आ गया। घटना के समय ट्रैक्टर चालक वाहन में मौजूद था। आग लगते ही चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत ट्रैक्टर से कूदकर अपनी जान बचाई। हालांकि आग इतनी तेजी से फैली कि ट्रैक्टर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। बताया जा रहा है कि इन दिनों क्षेत्र में रबी सीजन की धान कटाई का कार्य चल रहा है । इसी ▶▶|शेष पेज 10 पर

थर्ड आई प्रदर्शन देख दंग रह गए लोग

नवापारा में बच्चों ने आंखों पर पट्टी बांधकर पढ़ी किताब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

नगर के सदर रोड स्थित दिगम्बर जैन वर्णी भवन में रविवार सुबह आयोजित थर्ड आई अर्थात तीसरी आंख कला के विशेष प्रदर्शन ने हजारों लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। सुबह 8 बजे से शुरू हुए इस अनोखे कार्यक्रम को देखने नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बच्चों की अदभुत प्रतिभा को देखकर उपस्थित लोग दांतों तले उंगलियां दबाने को मजबूर हो गए। कार्यक्रम में 8 से 12 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने आंखों पर पट्टी बांधकर कई चौंकाने वाले प्रदर्शन किए। बच्चों ने आंखों पर मोटी पट्टी बांधने के बावजूद कागज पर लिखना, चित्र बनाना, रंगों की पहचान करना, ताश की पत्तियों को पहचानना, पुस्तक पढ़ना तथा भीड़ में अपने परिजनों को ढूंढ निकालने जैसे करतब दिखाए। बच्चों की एकाग्रता और आत्मविश्वास ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान जैन संत मुनि श्री आगम सागर जी महाराज ने बच्चों से विभिन्न प्रकार के प्रयोग करवाए। उन्होंने बच्चों के हाथ में ताश की पत्तियां देकर उनकी पहचान करवाई तथा सार्वजनिक रूप से उनके रंग और नंबर बताने को कहा, जिसे बच्चों ने सफलतापूर्वक करके दिखाया। इसके अलावा ▶▶|शेष पेज 10 पर

अग्रसेन धाम

SENIOR LIVING HOME

A PREMIUM OLD AGE HOME

1 मई 2026 से रजिस्ट्रेशन प्रारंभ

छत्तीसगढ़ राज्य का प्रथम प्रीमियम सीनियर लिविंग कम्युनिटी

12.5 एकड़ भूमि में निर्मित 100 सर्व सुविधायुक्त AC कमरों सहित एक लाख वर्ग फीट भवन सभी धर्म/समुदाय के लोगों के लिए उपलब्ध

उपलब्ध सुविधाएं

• योगा कक्ष • गार्डन • लाइब्रेरी • पूजा घर • डेयरी फॉर्म • शुद्ध सात्विक भोजन • जिम • स्विमिंग पूल • साइकिलिंग ट्रैक • लिफ्ट • जनरेटर (50KW) • इनडोर एवं आउटडोर गेम • Wi Fi कैंपस • डॉक्टर/नर्स (24 Hrs) • एम्बुलेंस / टैक्सी (24x7 on Call)

राजेन्द्र कुमार अग्रवाल (संचालक)
चेयरमैन, अग्रसेन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस
मो. 89595 44444

स्थान- ग्राम - डंगनिया, तह.- गुण्डरदेही,
(दुर्ग - बालोद मेन रोड़) (दुर्ग से 17KM)
जिला - बालोद (छ.ग.)

बरोण्डा, श्यामनगर, सुरसाबांधा की सड़कों पर फैली दूधिया रोशनी, ग्रामीणों में हर्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुरसाबांधा

राजिम-गरियाबंद मार्ग पर विधानसभा क्षेत्र के श्यामनगर, सुरसाबांधा अंचल में अब रात के समय सड़कों पर दूधिया रोशनी बिखरती नजर आ रही है। विधायक रोहित साहू के प्रयासों से क्षेत्र के विभिन्न मार्गों, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर हाईमास्ट एवं स्ट्रीट लाइटें स्थापित की गई हैं। नई प्रकाश व्यवस्था शुरू होने के बाद पूरे क्षेत्र की सड़कें जगमगा उठी हैं, जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से क्षेत्र में पर्याप्त रोशनी की मांग की जा रही थी। रात के समय अंधेरे के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी होती थी, वहीं

दुर्घटनाओं और असुरक्षा की आशंका भी बनी रहती थी। अब सड़क किनारे स्ट्रीट लाइट लगने से लोगों को बड़ी राहत मिली है तथा गांवों की सुंदरता भी बढ़ गई है। इस संबंध में हरिभूमि से चर्चा करते हुए विधायक रोहित साहू ने कहा कि क्षेत्र के विकास और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। भाजपा जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू ने कहा कि भाजपा सरकार गांव-गांव तक विकास की रोशनी पहुंचाने का कार्य कर रही है। हाईमास्ट एवं स्ट्रीट लाइट लगने से लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। नगर पंचायत अध्यक्ष रूपनारायण साहू ने कहा कि नई प्रकाश व्यवस्था से क्षेत्र में सुरक्षा और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीणों को रात में आवागमन में आसानी होगी। जिला पंचायत सभापति शिवांगी चतुर्वेदी ने कहा कि गांवों में इस तरह की सुविधाएं मिलने से लोगों में उत्साह बढ़ा है और क्षेत्र की सुंदरता भी निखरकर सामने आई है। जनपद अध्यक्ष इंद्राणी साहू ने कहा कि स्ट्रीट लाइट लगने से महिलाओं, बुजुर्गों और विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा तथा रात के समय सुरक्षा का माहौल मजबूत होगा।

खबर संक्षेप

महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष संगीता से मिले बंजारे

रायपुर। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र "पप्पू" बंजारे ने महिला कांग्रेस की नव नियुक्त प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संगीता सिन्हा से सौजन्य मुलाकात कर महिला कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महामंत्री संगठन मलकीत सिंह गेंदू विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान संगठन की मजबूती, महिला सशक्तिकरण, आगामी राजनीतिक गतिविधियों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कमार परिवार पीएम आवास के लिए दंडवत, कांग्रेस ने की श्वेत पत्र जारी करने की मांग

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि गरियाबंद जिले, देवभोग के माडागांव के सुशासन तिहार में कमार परिवार ने प्रधानमंत्री आवास के लिए जिला पंचायत सीईओ के पैर पर गिर कर आवास की मांग की। यह घटना भाजपा सरकार के प्रधानमंत्री आवास पर किये गये दावों की जमीनी हकीकत है। उन्होंने कहा, कमार जनजाति विशेष संरक्षित जनजाति है, इन्हें राष्ट्रपति का दत्तक पुत्र कहा जाता है तथा सभी शासकीय योजनाओं के केंद्र बिंदु में इन्हें रखा जाता है। जब कमार जनजाति का परिवार अपने प्रधानमंत्री आवास के लिए अधिकारी के सामने दंडवत होने को मजबूर है, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि राज्य में प्रधानमंत्री आवास की क्या हकीकत होगी? यह घटना सरकार के लिए शर्मनाक है।

व्याख्याता डॉ. मीना को मिशन उत्कर्ष सम्मान

रायपुर। बोर्ड परीक्षा परिणाम के सुधार के लिए जिला प्रशासन के विशेष शैक्षणिक अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. एसपी मुखर्जी शासकीय उमा. शाला की व्याख्याता डॉ. मीना शर्मा को मिशन उत्कर्ष सम्मान प्रदान किया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन से प्रशस्ति पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया। इस अभियान का उद्देश्य 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम सुनिश्चित करना, छात्रों के अंक बढ़ाना और शिक्षकों को प्रशिक्षित करके शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। मिशन उत्कर्ष की रणनीति में डेटा-आधारित दृष्टिकोण, मासिक जांच परीक्षा और कमजोर छात्रों के लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन शामिल है। इसके दूसरे चरण में शिक्षकों के लिए नए ब्लूप्रिंट और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन और अदाणी फाउंडेशन की साझेदारी में रायपुर में चलाया जा रहा है।

जनगणना में ओबीसी वर्ग की उपेक्षा दुर्भाग्यपूर्ण : कांग्रेस

रायपुर। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग की अलग से गणना नहीं किए जाने पर केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, जनगणना के लिए पूछे जा रहे 33 प्रश्नों में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं सामान्य वर्ग का उल्लेख है, लेकिन देश की बड़ी आबादी वाले ओबीसी वर्ग को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री स्वयं को पिछड़ा वर्ग का बताकर राजनीतिक लाभ लेते हैं, लेकिन जब ओबीसी समाज की वास्तविक भागीदारी, संख्या और अधिकार सुनिश्चित करने की बात आती है तो भाजपा सरकार पीछे हट जाती है। यह जनगणना स्पष्ट करती है कि भाजपा की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर है।

गंगरेल बांध की सुरक्षा से जुड़े कार्यों के लिए 65.50 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में सिंचाई संरचनाओं की सुरक्षा और जल प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में राज्य शासन द्वारा लगातार प्रभावी कदम उठाया जा रहा है। इसी कड़ी में जल संसाधन विभाग द्वारा धमतरी जिले में स्थित रविशंकर सागर जलाशय (गंगरेल बांध) के गेटों की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों के लिए 65 करोड़ 50 लाख रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है।

■ गेटों की मरम्मत और आवश्यक कार्य कराए जाएंगे

जारी स्वीकृति के अनुसार जलाशय में एपॉक्सी ग्राउटिंग, फ्लेक्सिबल शाफ्ट हाई प्रेशर वाटर जेट से चोक व्हीपीडी की सफाई सहित अन्य आवश्यक मरम्मत एवं संरक्षण कार्य कराए जाएंगे। यह कार्य जलाशय की संरचनात्मक मजबूती, संचालन क्षमता और दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राज्य शासन द्वारा महानदी परियोजना के मुख्य अभियंता को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। कार्यों में वित्तीय अनुशासन, तकनीकी मापदंडों तथा पारदर्शी निविदा प्रक्रिया का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही कार्य की नियमित मॉनिटरिंग एवं गुणवत्ता परीक्षण भी किए जाएंगे, ताकि निर्माण कार्य उच्च मानकों के अनुरूप संपन्न हो सके।

कार्यों में गुणवत्ता पर ध्यान

उल्लेखनीय है कि रविशंकर सागर जलाशय प्रदेश की बहुत पुरानी और प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं में से एक है, जिससे कृषि, जलापूर्ति और क्षेत्रीय विकास को व्यापक लाभ मिलता है। स्वीकृत कार्यों के पूर्ण होने से जलाशय की कार्यक्षमता और सुरक्षा में और अधिक मजबूती आएगी, जिससे किसानों एवं आमजन को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा। जल संसाधन विभाग द्वारा यह भी निर्देशित किया गया है कि कार्यों के क्रियान्वयन में सभी तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रावधानों पालन सुनिश्चित किया जाए तथा कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की 12 को बैठक, 13 को होगी प्रदेश कार्यसमिति

राजनीतिक प्रस्ताव में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी लाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश भाजपा संगठन की प्रदेश कार्यसमिति करीब पौने दो साल बाद अब जाकर तय हुई है। 13 मई को कार्यसमिति होगी, इसके एक दिन पहले 12 मई को प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में एजेंडा तय होगा। पहले यह कार्यसमिति 8 और 9 मई को होने वाली थी, लेकिन बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण के कारण इसकी तिथि में बदलाव किया गया है।

कार्यसमिति में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश आएंगे लेकिन ऐसा पहली बार होगा जब प्रदेश कार्यसमिति प्रदेश प्रभारी के बिना होगी, प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं और उनका कार्यसमिति में आना संभव नहीं है। कार्यसमिति के राजनीतिक प्रस्ताव में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी लाया जाएगा। इसी के साथ छत्तीसगढ़ के नक्सलमुक्त होने पर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ धन्यवाद प्रस्ताव भी लाया जाएगा।

प्रदेश कार्यसमिति हर तीन माह में करने का प्रावधान तो है, लेकिन इसके लिए सबसे अहम यह है कि राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद ही प्रदेश कार्यसमिति होती है। राष्ट्रीय कार्यसमिति में जो तीन माह की कार्ययोजना तय होती है, उसी पर प्रदेश कार्यसमिति में चर्चा होती है। इसके बाद जिलों और फिर मंडल में कार्यसमिति होती है। छत्तीसगढ़ में सितंबर 2024 में भाजपा के सदस्य अभियान से पहले प्रदेश कार्यसमिति हुई थी, इसके बाद से करीब पौने दोसाल से कार्यसमिति नहीं हुई है। किरण देव को भाजपा का पूर्वकालिक अध्यक्ष बने भी सवा साल से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन उनके कार्यकाल में अब तक एक भी कार्यसमिति नहीं हो सकी है। जानकारों का कहना है कि पहले कभी इतने लंबे समय तक कार्यसमिति का इंतजार करना नहीं पड़ा था।

विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव

कार्यसमिति में सबसे अहम राजनीतिक प्रस्ताव रहता है। इसमें राष्ट्रीय स्तर के साथ ही प्रदेश स्तर का राजनीतिक प्रस्ताव लाया जाता है। इस बार राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक प्रस्ताव में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा में पास न होने को लेकर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया जाएगा। प्रदेश महामंत्री नवीन मार्कंडेय ने बताया, प्रदेश में संगठनात्मक संरचना पूर्ण हो चुकी है। कार्यसमिति में 2028 के चुनाव पर भी चर्चा होगी। बूथ और शक्ति केंद्रों को और मजबूत करने की रणनीति बनेगी। दो राजनीतिक प्रस्ताव भी पारित किए जाएंगे। नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ पर धन्यवाद प्रस्ताव लाया जाएगा। महिला आरक्षण मुद्दे पर कांग्रेस और विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाएंगे।

न्यू सर्किट हाऊस में कल होगा जिला सम्मेलन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग द्वारा सिविल लाइंस स्थित न्यू सर्किट हाउस में 11 मई को जिला सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक जारी रहेगा। जिला सम्मेलन में रायपुर संभाग के सभी जिलों से आए छत्तीसगढ़ी एवं अन्य स्थानीय बोलियों के साहित्यकार प्रतिभागी होंगे एवं अन्य लोग उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल होंगे। विशेष अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक अनुज शर्मा, संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, विवेक आचार्य, संचालक, संस्कृति एवं राजभाषा एवं छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रमेंद्रनाथ मिश्र होंगे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. अभिलाषा बेहार, सचिव छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग द्वारा तथा अध्यक्षीय भाषण आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा द्वारा दिया जाएगा।

नगरीय प्रशासन विभाग में इंजीनियरों का तबादला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए कई वरिष्ठ इंजीनियरों के तबादला आदेश जारी किए हैं। आदेश के तहत राज्य के विभिन्न निकायों में पदस्थ कार्यपालन और सहायक अभियंताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

राज्य शासन द्वारा जारी सूची के अनुसार लाल महेंद्र प्रताप सिंह कार्यपालन अभियंता को नगर निगम रायपुर से नगर निगम बिलासपुर भेजा गया है। इसी प्रकार दिनेश नेताम कार्यपालन अभियंता को कवर्धा से स्थानांतरित कर संयुक्त संचालक कार्यालय दुर्ग में पदस्थ किया गया है।

■ रायपुर-बिलासपुर समेत कई शहरों के अधिकारी बदले

अभियंताओं की नई पदस्थापना में बृजेश श्रीवास्तव सहायक अभियंता को कोण्डागांव से बिलासपुर और ललित कुमार त्रिवेदी सहायक अभियंता को भी बिलासपुर में प्रभारी कार्यपालन अभियंता की कमान सौंपी गई है। सीबी परगनिहा सहायक अभियंता को दुर्ग से धमतरी, हेमन्त कुमार साहू सहायक अभियंता को भिलाई-चरौदा से नगर निगम दुर्ग और चन्द्रशेखर सारथी सहायक अभियंता को रायगढ़ से नगर पालिका चांपा भेजा गया है। वहीं नवा रायपुर में पदस्थ गगन वासन अब नगर निगम जगदलपुर में सहायक अभियंता के रूप में अपनी सेवाएं देंगे।

रिसाली कार्यपालन अभियंता को अतिरिक्त प्रभार

प्रशासनिक कार्यों को गति देने के लिए नगर पालिक निगम रिसाली के कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे को उनके वर्तमान कार्यों के साथ-साथ संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास (क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग) के अधीक्षण अभियंता का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

पेज 9 के शेष...

वन एवं वन्य प्राणियों...

नही भुला जा सकता और उनके साहस और काबिलियत को लोग सलाम करते है तथा अन्य महिलाओं को इनसे प्रेरणा भी मिल रही है कि आज महिलाए किसी भी क्षेत्र में कम नही है उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व 1842.54 वर्ग किमी वनक्षेत्र में फैला हुआ है और यह जंगल में बाघ, तेदुंआ, हाथी, भालु, राजकिय पशु वन भैसा सहित कई दुलर्भ वन्य प्राणी भारी संख्या में पाए जाते है घने जंगल के साथ ही बड़े–बड़े नदी नाले और दुर्गम पहाड़ी रास्तो भरा क्षेत्र है वन संसाधनों और वन्य प्राणियों को सहेजने, संवारने और सुरक्षा की जिम्मेदारी वन परिक्षेत्र अधिकारी के साथ–साथ वनपाल और वन रक्षकों की होती है हालांकि फील्ड पर रहने के दौरान वनकर्मियों को कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है जिससे वन संसाधन और वन्य प्राणी सुरक्षित रहें एक विशेषता है कि यहां पर वन संसाधनों और वन्य प्राणियों की सुरक्षा की कमान महिला अफसर और वनकर्मियों के पास है।

घर के जिम्मेदारियों के साथ जंगलों की सुरक्षा बेहतर ढंग से कर रही है- जंगलों में बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है घर की जिम्मेदारियों के साथ वे वन संसाधन और वन्य प्राणियों की सुरक्षा बेहतर तरीके से कर रही हैं वन परिक्षेत्र अधिकारी उदंती सुश्री ज्योति ध्रुव बताती हैं कि उनकी रुचि वनों में थी इसलिए वे वन विभाग में सेवा दे रही है उन्हें अच्छा लगता है कि वे जंगलों की सुरक्षा कर रही हैं और प्रकृति से जुड़ी हुई हैं उनके सामने वन क्षेत्रें में किए जा रहे अतिक्रमण को लेकर बड़ी चुनौती है जिसे वह सामंजस्य स्थापित कर ग्रामीणों को समझाते हुए वन क्षेत्रों के भू-भाग को अतिक्रमण से मुक्त कराती हैं वन संपदा की सुरक्षा के साथ-साथ वन्य प्राणियों की सुरक्षा करना उन्हें अच्छा लगता है इसके लिए वह लगातार फील्ड पर रहते हुए ग्रामीणों को वन क्षेत्रों की सुरक्षा करने के लिए प्रेरित भी करती हैं। उन्होने बताया कि उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व में राजकीय पशु वनभैसा होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है और इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी निभा रहे है। वन रक्षक ललिता मरकाम, टिकेश्वरी साहू एवं अन्य महिला कर्मचारियों ने बताया वे लगातार फील्ड पर रहकर वन संसाधनों को सहेजने, संवारने और सुरक्षा देने में जुटी रहती हैं।

चूल्हा–चौका ही नहीं खाकी पहनकर नारी शक्ति जंगलों की रक्षा भी करती है- वन विभाग में महिलाओं ने बहुत अच्छे परिणाम दिए हैं महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि चूल्हा–चौका ही नहीं खाकी पहनकर नारी शक्ति जंगलों की रक्षा भी करती है महिलाओं के लिए कोई भी कार्य मुश्किल नहीं है महिला अफसर कविता ठाकुर, अनामिका वर्मा ने बताया कि रोजाना ड्यूटी पर आकर वन्यजीवों की देखरेख करते उन्होंने महिलाओं को संदेश देते हुए कहा कि महिलाओं को वन विभाग ज्वाइन करना चाहिए वन्यजीव और वनों की रक्षा करनी चाहिए जंगल में ड्यूटी करने के दौरान समय पर अधिकारियों का मार्गदर्शन और सहयोग मिलता रहता है महिलाएं अपने परिवार के पालन के साथ अपनी ड्यूटी को भी बखूबी से निभा रही हैं.।

तालाब सूखे, निस्तार...

डबरी, मुड़ा तालाब, शीतला तालाब, बरदे तालाब और जिर्रा तालाब हैं, लेकिन इस समय इनमें बूंदभर पानी भी शेष नहीं बचा है। कुछ तालाबों में जहां थोड़ा बहुत पानी बचा है, वहां ग्रामीणों और मवेशियों को एक साथ निस्तार करना पड़ रहा है, जिससे स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ गए हैं।

स्थायी समाधान का अभाव- उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर विभागीय अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया, बावजूद इसके अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही तालाबों में पानी भरने की व्यवस्था नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में संकट और गहरा सकता है। मवेशियों के लिए भी पानी की भारी कमी हो रही है, जिससे पशुपालकों की चिंता बढ़ गई है। भीषण गर्मी के इस दौर में गरियाबंद के ग्रामीण इलाकों में निस्तार जल संकट अब प्रशासन के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल राहत के उपाय किए जाएं, ताकि उन्हें इस परेशानी से निजात मिल सके।

चरौदा में हाईस्कूल...

और ग्रामीणों में भारी रोष है। मांग करने वालों में मुख्य रूप से शामिल हैं: रामचंद्र नायक प्रदेश उपाध्यक्ष, बंजारा समाज,मनीराम नागवंशी सरपंच, ग्राम मोंगरा,लालता नागेश सरपंच, चरौदा,घनश्याम नागेश सरपंच प्रतिनिधि,लक्ष्मणराम जनपद सदस्य,इमरान अली भाजपा नेता,चेतन ठाकुर सरपंच, बिरनीबाहरा समस्त ग्रामवासियों ने शासन से चेतावनी भरे लहजे में मांग की है कि यदि जल्द ही स्कूल के उन्नयन की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तो ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

शॉर्ट सर्किट से ट्रैक्टर...

दौरान ट्रैक्टर सड़क किनारे खड़ा था, तभी अचानक बैटरी शॉर्ट होने से हादसा हो गया। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक ट्रैक्टर पूरी तरह जल चुका था। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

नवापारा में बच्चों...

बच्चों ने आंखों पर पट्टी बंधी होने के बावजूद पुस्तक पढ़कर भी लोगों को आश्चर्य में डाल दिया।

मुनि श्री आगम सागर जी के सानिध्य में प्रदर्शन- मुनि श्री ने बताया कि इन बच्चों को मुनि श्री पुलक सागर महाराज के मार्गदर्शन में लगभग 15 से 20 दिनों तक विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। नियमित अभ्यास और मानसिक एकाग्रता के माध्यम से बच्चों में यह क्षमता विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे निरंतर अभ्यास करते रहें तो उनकी मानसिक शक्ति और भी विकसित हो सकती है। इस अवसर पर मुनि श्री ने बच्चों और उनके परिजनों को सावधानी बरतने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की विद्या का उपयोग केवल सकारात्मक कार्यों के लिए किया जाना चाहिए तथा बिना गुरु की अनुमति के किसी भी प्रकार का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें और उनकी मानसिक एवं शारीरिक स्थिति का विशेष ध्यान रखें। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिक, समाजजन, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान लोगों में उत्सुकता और कौतूहल का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने बच्चों की प्रतिभा और उनके आत्मविश्वास की सराहना की।

लेखापाल से मारपीट पर कुर्मी समाज में उबाल, गृहमंत्री से कड़ी कार्रवाई की मांग

सुरसाबांधा। गरियाबंद जिले के नगर पंचायत देवभोग में पदस्थ लेखापाल संदीप चंद्राकर के साथ हुई मारपीट की घटना ने अब सामाजिक तूल पकड़ लिया है। इस घटना को लेकर कुर्मी समाज ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है और आरोपियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि शासकीय कार्य के दौरान दफ्तर में घुसकर मारपीट करना प्रशासनिक व्यवस्था और सामाजिक मर्यादा दोनों पर प्रहार है।

जानकारी के अनुसार बीते दिनों नगर पंचायत देवभोग के मुख्य नगरपालिका अधिकारी के केबिन में ही अप्रिय स्थिति निर्मित हो गई। आरोप है कि एक सब इंजीनियर और बाहर से योजनाबद्ध तरीके से बुलाए गए उनके साथियों ने सीएमओ की उपस्थिति में ही लेखापाल संदीप चंद्राकर के साथ बदसलूकी और मारपीट की। कुर्मी समाज का आरोप है कि इस गंभीर मामले में पुलिस का रवैया बेहद ढुलमुल रहा है। देवभोग थाना द्वारा आरोपियों पर औपचारिक रूप से प्रकरण दर्ज कर मुचलका जमानत पर छोड़ दिया गया है जिससे समाज में रोष व्याप्त है। कुर्मी समाज ने छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा से इस पूरे घटनाक्रम का संज्ञान लेने और उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही समाज के प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया है कि वे आगामी दिनों में पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर कार्यवाही हेतु ज्ञापन सौंपेंगे। आक्रोश जताने वाले प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष कुर्मी समाज पुरंदर वर्मा, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम चंद्राकर, गुलाबसिंह वर्मा,प्रकाश वर्मा,भानुप्रताप भारद्वाज, मुकेश चंद्राकर, लोकेश चंद्राकर, लक्ष्मण वर्मा , पोषण वर्मा एवं समाज के अन्य गणमान्य नागरिक शामिल हैं।

केडीआमा रमनपुर में 16 को मनेगा भव्य स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

विधायक रोहित साहू के प्रस्तावित आगमन को लेकर ग्राम केडीआमा रमनपुर में उत्साह चरम पर है। गांव में 16 मई को आयोजित होने वाले स्थापना दिवस समारोह की तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू हो चुकी हैं। इस अवसर को भव्य, ऐतिहासिक और यादगार बनाने के लिए ग्रामवासियों ने विशेष बैठक आयोजित कर व्यापक तैयारियों की रूपरेखा तय की। बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि स्थापना दिवस को सांस्कृतिक कार्यक्रमों, जनसहभागिता और पारंपरिक उत्सवों के साथ हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। विधायक रोहित साहू के स्वागत को लेकर गांव में साफ-सफाई, आकर्षक सजावट, मंच निर्माण एवं विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग समितियों का

रोहित साहू होंगे मुख्य अतिथि

गठन किया गया है। समितियां अपने-अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए कार्ययोजना बनाकर तैयारियों में जुट गई हैं। ग्रामीणों ने कहा कि स्थापना दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि गांव की एकता, संस्कृति और विकास की पहचान है। वक्ताओं ने विधायक रोहित साहू के नेतृत्व में क्षेत्र में हुए विकास कार्यों की सराहना करते हुए कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। बैठक में ग्रामीण अध्यक्ष दीनदयाल विश्वकर्मा ,रामजी सुरेश पटेल, वेदराम ध्रुव रिखी राम भुवन ,दुर्गेश, भानुप्रताप, रामेश्वर, दशरथ उर्मिला ,नन्दनी बाई ,कुमारी बाई, रेवती बाई, चंदा बाई, पार्वती, बरखा ,अनुसुइया, एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

केडीआमा का इतिहास- केडीआमा (रमनपुर) गांव का इतिहास बेहद अनोखा और प्रेरणादायक रहा है। सन 1900 के दशक में यहां के किसान धीरे-धीरे गांव छोड़कर पलायन कर गए थे, जिसके बाद पूरा गांव वीरान हो गया। लगभग 100 वर्षों तक यह गांव खाली पड़ा रहा। बाद में यह विषय तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह तक पहुंचा। उनके मार्गदर्शन और विशेष पहल पर वर्ष 2006 में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों घटारानी और जतमई के मध्य जंगल क्षेत्र में स्थित इस वीरान गांव को पुनः बसाने की योजना बनाई गई। ग्रामीणों की मांग पर गांव का नाम केडीआमा रमनपुर रखा गया, और आज यह गांव विकास, सामाजिक समरसता एवं पुनर्वास का प्रतीक बन चुका।

HEALTH TOWN
DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेजर मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर्स उपलब्ध
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

उर्वरक खाद की कटौती उचित नहीं : तेजराम

राजिम। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश महासचिव तेजराम विद्रोही ने कहा कि खरीफ सीजन 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को अभी तक समितियों के माध्यम से खाद उपलब्ध नहीं करा पाना सरकार की विफलता है। एक तरफ 60:40 की अनुपात को बदलकर 70:30 का अनुपात करना यानि कि उर्वरक 30% और नगद राशि 70% समितियों से किसानों को मिलेगी जबकि पूर्व में 60% नगद राशि और 40 % उर्वरक मिलती थी इस प्रकार समितियों से 10% कम खाद प्राप्त होगी और बाकी के लिए निजी खाद व्यापारियों से अधिक दाम पर खरीदने को मजबूर होना पड़ेगा। जहाँ खाद कम्पनी अपनी मनमानी करते हुए विक्रेताओं के ऊपर अतिरिक्त वस्तु बेचने का दबाव बनाते हैं और आर्थिक नुकसान किसानों को होता है। इससे स्थानीय खाद विक्रेता और किसानों के बीच कटुता बढ़ती है और फायदा खाद कंपनी उठाता है।

देवभोग में भागवत कथा आज से

मैनपुर। देवभोग नगर में 11 मई दिन सोमवार से 17 मई तक श्रीमद भागवत कथा का आयोजन सरस्वती शिशुमंदिर के पास किया जायेगा। इस आयोजन को लेकर भव्य तैयारी की जा रही है जिसमें राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथावाचक आचार्य पंडित युवराज पाण्डेय द्वारा 11 मई से 17 मई तक श्रीमद भगवत कथा सुनाएंगे। आयोजन स्थल पर प्रतिदिन हजारो श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है जिसे देखते हुए भव्य तैयारी किया जा रहा है पंण्डित युवराज पाण्डेय लम्बे समय से पचरा गीत और अपनी भक्ती , कथा, गीत, संगीत और प्रवचन शैली के लिए लोकप्रिय है।

समस्या : सिंचाई विभाग की लापरवाही, खेत बने तालाब, कटाई थमी

तालाब भरने के चक्कर में डूबी किसानों की पकी फसल, मुआवजे की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा-बेलर

ग्राम बारूला में निस्तारी के लिए तालाब भरने की योजना किसानों के लिए जी का जंजाल बन गई है। सिंचाई विभाग फिंगेश्वर द्वारा बारूला माइनर में छोड़े गए अत्यधिक पानी के कारण नहर ओवरफ्लो हो गई, जिससे रबी सीजन की तैयार धान फसल जलमग्न हो गई है।

प्रभावित किसान इंदरमन साहू और ईश्वरी साहू ने बताया कि विभागीय कर्मचारी श्रीराम सिन्हा द्वारा माइनर में क्षमता से अधिक पानी प्रवाहित किया गया। इसका खामियाजा उन किसानों को भुगतना पड़ रहा है जिनकी फसल कटाई के लिए पूरी तरह तैयार थी। पंचायत एवं ग्रामीणों की मांग पर सिंचाई विभाग फिंगेश्वर द्वारा बारूला मायनर में पानी छोड़ा गया था, लेकिन पिछले एक सप्ताह से अत्यधिक मात्रा में पानी प्रवाहित किए जाने के कारण मायनर ओवरफ्लो हो गया। इससे आसपास के खेत जलमग्न हो गए हैं और रवि सीजन की तैयार धान फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। किसान इंदरमन साहू ने बताया कि उनके खेतों में लगी रवि धान की फसल पूरी तरह पक चुकी थी, लेकिन अचानक पानी भर जाने से धान डूब गया। खेतों में पानी भरने के कारण कटाई कार्य प्रभावित हो गया है और हार्वेस्टर भी खेत में नहीं उतर पा रहा।पानी कम होने का इंतजार कर रहे हैं,अब कटाई लागत लगभग दूगूना हो जायेगा तथा फसल खराब होने का खतरा मंडरा रहा है।

सूचना के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

किसानों का आरोप है कि उन्होंने समय रहते सिंचाई विभाग को समस्या की जानकारी दे दी थी। फिंगेश्वर सिंचाई विभाग के अधिकारी विष्णुदेव मलैया को भी स्थिति से अवगत कराया गया। अधिकारी ने साइड इंचार्ज श्रीराम सिन्हा निर्देश कर पानी का बहाव कम कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन काफी सप्ताह समय बीतने के बाद भी स्थिति जस की तस बना रहा। प्रभावित किसान इंदरमन साहू ने कहा कि खेतों में लंबे समय तक पानी भरे रहने से पका हुआ धान सड़ सकता है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। किसानों ने इसे सिंचाई विभाग कर्मचारी श्रीराम सिन्हा की लापरवाही बताते हुए प्रशासन से नुकसान का सर्वे कर उचित मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब भरने के लिए पानी छोड़ते समय विभाग को निगरानी रखनी चाहिए थी, ताकि मायनर ओवरफ्लो की स्थिति उत्पन्न न होती। फिलहाल किसान खेतों से पानी निकलने का इंतजार कर रहे हैं और बची हुई फसल को किसी तरह सुरक्षित निकालने के प्रयास में जुटे हैं।

शिव मंदिर में हुआ अनुष्ठान महाभंडारे में उमड़ा जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

तहसील मुख्यालय स्थित आस्था के प्रमुख केंद्र प्राचीन शिव मंदिर में चार दिनों तक विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही प्राचीन शिव मंदिर प्रतिष्ठा एवं विराट भंण्डारा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। 7 मई से आज 10 मई तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम का अयोजन किया गया। आर्चाय पंडित नंद किशोर चौबे द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना सम्पन्न कराई गई आज रविवार को सुबह से किर्तन व विभिन्न धार्मिक आयोजन रामायण पाठ के साथ ही महा भण्डारा का आयोजन किया गया जिसमें नगर व क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। इस धार्मिक उत्सव के उपलक्ष्य में संपूर्ण मैनपुर नगर को भव्य तोरण द्वारों और ध्वजा-पताकाओं से दुल्हन की तरह सजाया गया है। आचार्य पंडित नंदकिशोर चौबे द्वारा वैदिक मंत्रेच्चार के साथ देव पूजन संपन्न कराया गया। भगवान का सात पवित्र नदियों के जल से जलाधिवास किया गया, जिससे संपूर्ण क्षेत्र शिवमय हो गया मंदिर समिति ने जानकारी दी कि 8 मई को सहस्त्र मंत्र जाप एवं अन्नाधिवास किया गया, वहीं 9 मई को पुष्पाधिवास और भव्य हवन–पूजन संपन्न होने के बाद आज रविवार को महोत्सव का समापन शिव महाभिषेक, महाप्रसादी और विशाल भंडारे के साथ किया गया। स्थानीय नागरिकों के सहयोग से निर्मित इस भव्य मंदिर के उद्घाटन को लेकर क्षेत्रवासियों में अभूतपूर्व उत्साह है आयोजन को सफल बनाने में श्री रामसेना हिन्दू संगठन, शिव सेवा वाहिनी, दुर्गा वाहिनी सहित समस्त नगरवासी सहयोग रहा।

मां जीवन की पहली गुरु और सबसे बड़ी प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

महतारी दिवस के अवसर पर ममता रिपुसूदन निर्मलकर एवं उनकी सुपुत्री संध्या स्वाति निर्मलकर ने माँ के त्याग, ममता और संस्कारों को नमन करते हुए समाज को भावपूर्ण संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि माँ केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि बच्चों के जीवन की पहली गुरु और सबसे बड़ी प्रेरणा होती है। उन्होंने कहा कि माँ अपने बच्चों की खुशियों के लिए हर कठिनाई सहन करती है और जीवनभर निस्वार्थ भाव से परिवार की सेवा करती है। माँ का स्नेह, त्याग और आशीर्वाद ही बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की शक्ति देता है। ममता रिपुसूदन निर्मलकर ने कहा कि आज के समय में बच्चों को अपनी माँ के सम्मान, संस्कार और संघर्षों को समझने की आवश्यकता है। वहीं संध्या स्वाति निर्मलकर ने कहा कि माँ का स्थान दुनिया में सबसे ऊँचा होता है और उनका प्रेम कभी शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

चंद्रशेखर ने कराया टैंकर पानी का इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुरसाबांधा

राजनीति में हार-जीत को पीछे छोड़ जनसेवा को सर्वोपरि मानने वाले वर्तमान भाजपा जिला महामंत्री गरियाबंद एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य चंद्रशेखर साहू एक बार फिर अपने कार्यों को लेकर क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। भीषण गर्मी और बढ़ते जल संकट के बीच उन्होंने ग्राम पंचायत लोहरसी के ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पानी टैंकर की व्यवस्था कराई, जिससे गांव के सैकड़ों परिवारों को राहत मिल रही है। विशेष बात यह है कि जिला पंचायत चुनाव में लोहरसी गांव से उन्हें सबसे अधिक मतों से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने गांव की जनता के प्रति अपने दायित्व और सेवा भावना को कम नहीं होने दिया। ग्रामीणों की परेशानी की जानकारी मिलते ही चंद्रशेखर भैय्या ने बिना किसी भेदभाव के पानी टैंकर उपलब्ध कराया और यह संदेश दिया कि जनसेवा ही उनकी प्राथमिकता है। ग्राम पंचायत लोहरसी के सरपंच लोमशराम साहू भी इस कार्य में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे प्रतिदिन टैंकर में पानी भरकर गांव की गली-गली, चौक-चौराहों और मोहल्लों तक पानी पहुंचा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को काफी राहत मिल रही है। गर्मी के इस दौर में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को अब दूर-दूर से पानी लाने की परेशानी कम हो गई है।

प्रस्तुति : उत्कर्ष शर्मा, रिपोर्टर ब्यूरो कार्यालय राजिम, जिला - गरियाबंद, मो. 9752106022

खबर संक्षेप

रोशन कुमार को बनाया साहू समाज परिक्षेत्र मीडिया प्रभारी

पाण्डुका। साहू समाज परिक्षेत्र पाण्डुका के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार साहू के नेतृत्व में कार्यकारणी सदस्य का विस्तार शनिवार को साहू समाज 22 पाली साहू समाज परिक्षेत्र पाण्डुका के भवन में समाज के पदाधिकारियों का संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से संरक्षक महेंद्र

कुमार साहू पचपेड़ी, संरक्षक चेतन साहू कुरूद, संरक्षक द्वारिका साहू बोड़राबांधा , कार्यकारी अध्यक्ष गुलाब साहू कुटेना, सहसचिव गिरवर साहू ,महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष तुलेश्वरी साहू ,युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष रामेश्वर साहू, प्रचार मंत्री बिहारी लाल साहू प्रचार मंत्री गोविंद साहू, मीडिया प्रभारी रोशन साहू सरकडा , ललेश साहू समझौता न्याय समिति,चंद्रकांत साहू युवा प्रकोष्ठ कर्मा सेना सह सचिव समिति सदस्य, टेकू साहू,अमृत साहू सलाहकार एवं विभिन्न प्रकोष्ठ का गठन किया गया। जिसमें पाण्डुका परिक्षेत्र के 22 गांव के समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे। उपाध्यक्ष श्रवन साहू, महिला उपाध्यक्ष हेमलता, कोषाध्यक्ष टोमन साहू, सचिव युवराज साहू, संगठन सचिव नेतराम साहू, महिला संगठन सचिव मुन्नीबाई साहू, अंकेक्षक मनीराम साहू, तहसील कोषाध्यक्ष नूतन राम साहू, प्रमुख सदस्य सहित समाज के सदस्य आदि उपस्थित रहे।

करियर गाइडेंस व काउंसलिंग कार्यशाला आयोजित की

अभनपुर। ग्राम बिरोदा में आशाएं उम्मीद की एक किरण संस्था द्वारा हाल ही में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए करियर गाइडेंस एवं काउंसलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई, विषय चयन और रोजगार उन्मुख शिक्षा के बारे में मार्गदर्शन देना था, ताकि वे अपने भविष्य के लिए सही निर्णय ले सकें। कार्यक्रम में मार्गदर्शक हेमंत कुमार साहू, दीपक ध्रुवंशी और वेदप्रकाश साहू ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से लक्ष्य निर्धारण, विषय चयन और विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने सवालों के जवाब भी प्राप्त किए। कार्यक्रम में मार्गदर्शक हेमंत कुमार साहू, दीपक ध्रुवंशी एवं वेदप्रकाश साहू ने पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से लक्ष्य निर्धारण, विषय चयन और विभिन्न करियर विकल्पों पर विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने प्रश्नों के उत्तर भी प्राप्त किए। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष सुश्री डामेश साहू, उपाध्यक्ष महेंद्र साहू, सचिव चंदन कश्यप, संरक्षक प्रेम दीप साहू, इंद्रजीत साहू, ग्राम सरपंच श्रीमती शारदा पठारी, डगेश्वर साहू, शिक्षक गिरधर साहू, रूपेश्वरी, सरद साहू, दीपिका साहू सहित आसपास के गांव हसदा व टोकरो के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खरोरा में मातृ दिवस मनाया गया

महासमुंद। ग्राम खरोरा में मातृ दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान पंच माधुरी चन्द्राकर ने कहा मातृ दिवस का अवकाश ग्राफटन वेस्ट वर्जिनिया में एना जार्विस के द्वारा समस्त माताओं तथा मातृत्व के लिए खास तौर पर पारिवारिक एवं उनके आपसी संबंधों को सम्मान देने के लिए शुरू किया गया था। मातृ दिवस अनाथ बच्चों के प्रति समाज की कुछ विशेष वर्ग की महिलाओं द्वारा ममत्व दिखाने का दिन है, जो अनाथ बच्चे होते हैं उन्हें इस दिन अपनी 1 दिन की वात्सल्य देने वाली मां के लिए अति प्रेम रहता है सामान्यत यह दिन यूरोप, अमेरिका में ही मनाया जाता है। भारत में जो लोग पाश्चत्य संस्कृति को बढ़ावा देना चाहते हैं, वे लोग भी इस दिन को मनाने लगे हैं। भारतीय महाद्वीप में इस तरह का कोई दिन नहीं है। भारतीय लोगों के लिए मां से प्रेम या पिता से प्रेम सदैव ही आजीवन अकल्पनीय एवं अद्भुत रहा है । इस दरान संतोषी, चंद्रकला, दुर्गा, अंजू, मंजू, श्याम बाई, जनक बाई, हंसबाई, अरुण, सोहबती बाई उपस्थित थे।

जनगणना : प्रगणक अपनी जान जोखिम में डालकर दुर्गम पहाड़ियों पर बसे गांवों तक पहुंच रहे

पहाड़ों पर चढ़कर भविष्य लिख रहे प्रगणक अंचल में जनगणना का चुनौतीपूर्ण आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकास खण्ड मैनपुर क्षेत्र के दुर्गम पहाड़ियों के ऊपर बसे ग्राम ताराझर, कुरूवापानी, मटाल, भालुडिग्गी, जैसे दर्जन भर ग्रामों में जहां पहुंचने के लिए आज तक सड़क तक निर्माण नहीं हुआ है ऐसे स्थानों में जनगणना के लिए भीषण गर्मी में प्रगणकों को भारी परेशानियों का सामना करते हुए जाना पड़ रहा है। मिलों पैदल दूरी तय करने के बाद प्रगणको को जहां एक ओर ग्रामीण अपने घरों में नहीं मिल पा रहे हैं। कई ग्रामीण पलायन कर गए हैं तो कई ग्रामीण सुबह से जंगलों की ओर वनोपज के लिए चले जाने से देर शाम तक इंतिजार करना पड़ रहा है। तो वहीं मोबाईल नेटवर्क भी समस्या बनी हुई है। भीषण गर्मी और तपती धूप के बावजूद प्रगणक इन दिनो घर-घर जाकर नागरिकों की जानकारी एकत्रित कर रहे हैं और जनगणना सर्वे का कार्य संपादित कर रहे हैं। पूरी जानकारी को मोबाईल के माध्यम से अपलोड किया। प्रगणकों ने बताया कि एक परिवार की जानकारी लेने में अधिकतम 5 से 10 मिनट का समय लगता है इसमें परिवार के सदस्यों की संख्या, शिक्षा, रोजगार, वाहन, टीवी, संचार के साधन और अन्य जरूरी जानकारियां शामिल की जाती है मैनपुर विकासखंड के दूरस्थ वनांचलों के गांव गांव जनगणना 2026 की जानकारी भरने पहुंचे प्रगणकों ने बताया कि उन्हें कई तरह की व्यवहारिक समस्याओं का सामना भी करना पड रहा है। दोपहर के समय जब प्रगणक जानकारी लेने घर पहुंचते हैं तो कई लोग दरवाजा नहीं खोलते हैं, अभी सोए हुए हैं, काम में गए हुए हैं, जैसे कारण बताकर समय नहीं दे पाते कई घरों में लोगों द्वारा प्रगणकों को शाम को आने के लिए कहा जाता है, जिससे एक ही परिवार के घर कई बार जाना पड रहा है। इसके बावजूद प्रगणक धैर्य के साथ जनगणना 2026 का कार्य कर रहे हैं।

जनता से सहयोग की अपील- सुखराम नागेश, देवानंद, मुकेश ने बताया कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में आम जनता का सहयोग अत्यंत आवश्यक है, जिससे भविष्य की नीतियों और योजनाओं का साही निर्धारण किया जा सके। दुर्गम पहाड़ी गांव में जनगणना के लिए पहुचने वाले सुखराम नागेश ने बताया जनगणना कार्य के लिए उन्हे पैदल पहाड़ी रास्तो को पार कर जाना पड़ रहा है।

जिले में जनगणना की शुरुआत, 34 बिंदुओं पर जुटाई जा रही जानकारी

गरियाबंद। जिले में जनगणना 2027 का पहला चरण नई डिजिटल व्यवस्था के साथ शुरू हो गया है। एक मई से प्रगणक घर-घर पहुंचकर मकानों और परिवारों की गणना का कार्य कर रहे हैं। इस बार पहली बार जनगणना की पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित की जा रही है, जिससे आंकड़ों का संकलन अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से हो सकेगा। जनगणना निदेशालय के अनुसार प्रदेश में स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की प्रक्रिया 30 अप्रैल तक पूरी हो चुकी है। अब एक मई से प्रगणकों के माध्यम से घर-घर जाकर मकानों और परिवारों से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान कुल 34 बिंदुओं पर जानकारी दर्ज की जा रही है, जिसमें मकान की स्थिति, परिवार के सदस्यों की संख्या, उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं और घरेलू संसाधनों से जुड़ी जानकारी शामिल है। प्रगणक परिवारों से पेयजल, बिजली, शौचालय, खाना बनाने के ईंधन जैसी सुविधाओं के साथ-साथ टीवी, मोबाइल, इंटरनेट जैसी संपत्तियों की जानकारी भी दर्ज कर रहे हैं। इसके अलावा संपर्क के लिए एक मोबाइल नंबर भी लिया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के लिए किसी भी प्रकार के दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है। उत्तरदाता केवल अपने ज्ञान के आधार पर सही जानकारी उपलब्ध कराएं। जनगणना निदेशालय ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सही और तथ्यात्मक जानकारी दें, क्योंकि इन्हीं आंकड़ों के आधार पर भविष्य की विकास योजनाओं और सरकारी नीतियों का रोडमैप तैयार किया जाएगा। साथ ही यह भी आश्वस्त किया गया है कि नागरिकों द्वारा दी गई सभी जानकारियां पूर्णतः गोपनीय रखी जाएंगी। प्रदेशभर में जनगणना के पहले चरण का कार्य 30 मई तक पूरा किया जाना निर्धारित है। प्रशासन का मानना है कि डिजिटल जनगणना से डेटा संग्रहण की प्रक्रिया तेज, सटीक और अधिक प्रभावी होगी, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में भी मदद मिलेगी।

रोहित साहू ने ग्राम गाड़ाघाट को दी 20 लाख की सौगात, ग्रामीणों में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाण्डुका

ग्राम पंचायत गाड़ाघाट के सरपंच एवं पंचगणों ने राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू से मुलाकात कर गांव की प्रमुख आवश्यकताओं को लेकर मांग रखी। इस दौरान विधायक ने ग्राम विकास के लिए कुल 20 लाख रुपये की सौगात देते हुए दो महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की घोषणा की। विधायक ने एनीकेट के पास टीना शेड निर्माण हेतु 15 लाख रुपये तथा आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 3 से शमशान घाट तक सीसी रोड निर्माण के लिए 5 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। इस घोषणा से ग्रामवासियों में खुशी की लहर है और उन्होंने विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत गाड़ाघाट की सरपंच कमलेश्वरी नारद ध्रुव, उपसरपंच भूषण साहू, पंचगण घनश्याम साहू, प्रीतम ध्रुव, बुधियारिन साहू, महेश्वरी साहू, मीणा ध्रुव, निर्मला ध्रुव, संतोषी ध्रुव, छबीली साहू सहित ग्राम के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा ग्राम के भाजपा बूथ अध्यक्ष बिशु राम साहू, रोहन साहू, भुवनेश्वरी साहू, काशीबाई ध्रुव, कृष्णा बाई ध्रुव एवं समस्त ग्रामवासियों ने विधायक का अभिनंदन करते हुए कहा कि इन निर्माण कार्यों से गांव की मूलभूत सुविधाएं मजबूत होंगी और ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने विधायक के प्रति अपना स्नेह और आभार प्रकट करते हुए कहा कि विकास कार्यों की यह घोषणा ग्राम गाड़ाघाट के लिए बड़ी सौगात है।

तेंदूपत्ता बना हजारों परिवारों की आजीविका का सहारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

अंचल के जंगलों से जुड़े पारंपरिक काम आज भी ग्रामीण और आदिवासी परिवारों की आजीविका का अहम हिस्सा बने हुए हैं। खासकर गर्मी के मौसम में तेंदूपत्ता संग्रहण हजारों परिवारों के लिए अतिरिक्त आमदनी का जरिया बन जाता है। अंचल के ग्राम बेलडीही निवासी कुबेर भुजिया भी उन लोगों में शामिल हैं, जो पिछले 30 वर्षों से तेंदूपत्ता संग्रहण का काम करते आ रहे हैं। इस बार भी वे अपनी पत्नी और बेटी के साथ जंगल पहुंचकर तेंदूपत्ता संग्रहण में जुटे हुए हैं।रक्सी निवासी मक़रम ठाकुर ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण पूरी तरह सीजन आधारित काम है, जो साल में कुछ दिनों के लिए ही होता है। लेकिन इन कुछ दिनों की मेहनत से परिवार को अच्छी अतिरिक्त आमदनी मिल जाती है।उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले महुआ संग्रहण कर भी परिवार ने खेती-किसानी के अलावा अतिरिक्त आय अर्जित की थी। अब तेंदूपत्ता का सीजन शुरू होते ही पूरा परिवार फिर जंगल की ओर निकल पड़ा है। तेंदूपत्ता संग्राहक भुवेंद्र मरकाम कहा कि राज्य सरकार की तेंदूपत्ता संग्रहण योजना से जंगल क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को रोजगार और अतिरिक्त आय का अच्छा अवसर मिलता है। इससे ग्रामीणों को गांव में ही काम मिल जाता है और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।वर्षों से इस काम से जुड़े परिवार आज भी जंगल से अपने जीवन का महत्वपूर्ण सहारा प्राप्त कर रहे हैं। सुबह जल्दी जंगल पहुंचकर तेंदूपत्तों को सावधानी से तोड़ा जाता है, ताकि पत्ते खराब न हों। इसके बाद घर लाकर उन्हें गिना और बांधा जाता है, 50 पत्तों का एक बंडल तैयार होता है और 100 बंडल पर 500 रुपये की राशि मिलती है।करीब एक हफ्ते तक लगातार काम करने के बाद वे लगभग 2500 रुपये तक की शुद्ध कमाई कर लेते हैं। संग्रहण के बाद तेंदूपत्तों को गांव के ही तेंदूपत्ता संग्रहण केंद्र में बेच दिया जाता है।ग्रामीण जीवन से जुड़ी परंपरा तेंदूपत्ता संग्रहण केवल कमाई का जरिया नहीं, बल्कि जंगल और ग्रामीण जीवन से जुड़ी परंपरा का भी हिस्सा है।गर्मी के दिनों में जब खेती का काम कम हो जाता है, तब यही वन उपज ग्रामीण परिवारों के खर्च चलाने में मदद करती है। खासकर आदिवासी इलाकों में तेंदूपत्ता, महुआ और अन्य लघु वनोपज लोगों की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बने हुए हैं।

जिले के दर्शनार्थियों ने बनारस में चंदा इकट्ठा किया, बुजुर्ग की मदद की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाण्डुका

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना श्री राम लला दर्शन योजना अंतर्गत प्रशासन के कर्मचारीयो की देखरेख में सफल व सुखद यात्रा कराया जा रहा है। जिसके तहत 6 मई को रायपुर संभाग से लगभग 850 दर्शनार्थियों का जत्था काशी विश्वनाथ और श्री राम लला का दर्शन के लिए निकले हैं। जिसमें गरियाबंद जिले लगभग 94 श्रद्धालु शामिल होकर बनारस काशी विश्वनाथ बहुचकर दर्शन किए पर 8 मई की सुबह अयोध्या के लियें बनारस स्टेशन पहुंचने से पहले छुरा विकास खंड के ग्राम पंचायत ख़डमा निवासी बुजुर्ग दुलेश्वरी बाई साहू का ढाई हजार कही खो गया। पैसे का अचानक खो जाने से बुजुर्ग बहुत दुखी हो गई और बिना हाथ में पैसे के घर के लिय क्या सामान खरीदूंगी सोचकर मायूस हो गई और दुखी मन से बैठी दुलेश्वरी ने अपना दुखड़ा ट्रेन में बैठे बाकी साथियों को बताई जिसके बाद गरियाबंद जिले के बैठे दर्शनार्थियों ने बुजुर्ग महिला की आर्थिक मदद करने का मन बनाया और सभी लोगों ने लगभग 15 सौ रुपए चंदा कर दुखी बुजुर्ग महिला को दी जिस पर बुजुर्ग महिला की चेहरे पर खुशी लौटी और बुजुर्ग महिला ने धन्यवाद देते हुएं अब इन पैसों से नाती पोता व परिवार के लिय कुछ सामान खरीद पाऊंगी। इस सहयोग में जिला नोडल अधिकारी केके कृषाणु, नागेश तिवारी उप सरपंच ग्राम पंचायत तौरेंगा, तुलाराम साहू हरिश्चंद्र साहू, हेमंत ध्रुव, नंदकुमार विश्वकर्मा, ओमप्रकाश साहू, झम्मन लाल सेन, पूर्णिमा कंवर, चमेली यादव, हेमीन यादव मैनपुर, आदि दर्शनार्थियों ने आर्थिक सहयोग कर मानवता की मिसाल व सहयोगात्मक भावना का परिचय दिया।

शीतलामाता मंदिर के जीर्णोद्धार स्वीकृति पर ग्रामीणों में हर्ष

छुईहा-बेलर। ग्राम पंचायत बोड़की में धार्मिक आस्था और जनसुविधाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। राजिम विधायक रोहित साहू की अनुशंसा पर शीतलामाता मंदिर के जीर्णोद्धार तथा मंदिर प्रांगण में टीना शेड निर्माण की स्वीकृति मिलने पर ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। उल्लेखनीय है कि विधायक का आगमन गांव के एक कार्यक्रम में हुआ था, जहां पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने शीतलामाता मंदिर के जीर्णोद्धार और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टीना शेड निर्माण की मांग रखी थी। विधायक द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप मंदिर जीर्णोद्धार एवं प्रांगण में टीना शेड निर्माण के लिए 6.50 लाख रुपये की त्वरित स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ ही कर्रबाधिन मंदिर पहुंच मार्ग निर्माण, सौंदर्यीकरण कार्य के लिए बजट स्वीकृति तथा ग्रीष्मकालीन पानी निस्तारी के लिए नहर से पानी छोड़वाने की पहल को लेकर भी ग्रामीणों ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने विधायक से मुलाकात कर गुलदस्ता भेंट करते हुए कृतज्ञता ज्ञापित किया। इस अवसर पर पूर्व सरपंच रामजी साहू, ऐंदराम दिवान, परमेश्वर साहू, बिसहत राम साहू, फूलसिंग साहू, गेंदराम दिवान एवं पुराणिक साहू सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

टोकन सिस्टम व नैनो खाद की की अनिवार्यता से बढ़ी दिक्कतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

■ पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने खाद वितरण नीति पर उठाए सवाल

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर राज्य सरकार की खाद वितरण नीति पर सवाल उठाते हुए कहा है कि वर्तमान व्यवस्था के कारण किसान गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को खाद प्राप्त करने के लिए सोसाइटियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं मिल पा रही है। इससे किसानों में आगामी फसल को लेकर चिंता बढ़ गई है।

साहू ने बताया कि पिछले वर्ष 2024-25 में किसानों को प्रति एकड़ डीएपी की 2 बोरी (50 किलो), यूरिया की 3 बोरी (45 किलो) तथा सुपर फॉस्फेट आवश्यकता अनुसार बिना किसी सीमा के उपलब्ध कराया जाता था। लेकिन इस वर्ष नई व्यवस्था के तहत डीएपी, यूरिया, सुपर फॉस्फेट और पोटाश—सभी की मात्रा घटाकर प्रति एकड़ केवल 1-1 बोरी कर दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि कई सोसाइटियों में अभी तक खाद उपलब्ध नहीं है और वितरण के लिए टोकन प्रणाली लागू की गई है। इस प्रणाली के तहत किसानों को पहले टोकन लेना होगा, उसके बाद ही खाद दिया जाएगा, वह भी चरणबद्ध तरीके से। इससे छोटे और बड़े किसानों के बीच भेदभाव की स्थिति बन रही है। नैनो यूरिया और नैनो डीएपी को अनिवार्य किए जाने पर भी आपत्ति जताई। उनका कहना है कि किसानों का अनुभव इन उत्पादों के प्रति सकारात्मक नहीं रहा है और इससे उत्पादन पर अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि यह नीति धान उत्पादन को प्रभावित करने के उद्देश्य से बनाई गई है, ताकि घोषित समर्थन मूल्य पर खरीदी की जिम्मेदारी से बचा जा सके। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। धनेंद्र साहू ने राज्य सरकार से मांग की है कि वह वर्तमान आदेशों को तत्काल निरस्त करे और पूर्व वर्षों की तरह किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराए, ताकि कृषि कार्य प्रभावित न हो।

एनपीएल सीजन-4 का समापन, विजेता टीम का सम्मान

खेल हमेशा खिलाड़ी भावना के साथ खेलना चाहिए : साहू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

नवापारा शहर के हाई स्कूल मैदान में आयोजित नवापारा प्रीमियर लीग एनपीएल सीजन-4 का गुरुवार को भव्य समापन किया गया। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। समापन समारोह में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, युवा खिलाड़ी एवं नागरिक उपस्थित रहे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि नगर पालिका की अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू रहीं। उन्होंने विजेता टीम को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने पूरे टूनामेंट में अनुशासन, मेहनत और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है और स्वस्थ समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने प्रतियोगिता में सफलता हासिल नहीं कर पाने वाली टीमों का भी उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है। खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास और प्रयास जारी रखना चाहिए। खेल हमेशा खिलाड़ी भावना के साथ खेलना चाहिए, तभी वास्तविक सफलता मिलती है। समापन अवसर पर विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान दर्शकों में भारी उत्साह बना रहा तथा मैदान तालियों और खिलाड़ियों के उत्साह से गूंजता रहा। आयोजकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी खिलाड़ियों, अतिथियों एवं खेल प्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

प्रतियोगिता में 32 टीम शामिल- युवा संगठन द्वारा नवापारा प्रीमियम लीग एनपीएल सीजन 4 का आयोजन किया गया जो गुरूवार को समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में 32 टीम शामिल हुई जिसमें प्रथम स्थान बासीन, द्वितीय मालीडीह एवं तृतीय ग्राम तर्री की टीम विजयी रही। पुरूस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका उपाध्यक्ष भुपेन्द्र सोनी, सभापति केकती सोनवानी व आयोजक समिति के सदस्य राजा ध्रुव, कान्हा गिलहरे, अमर गिलहरे, सागर, प्रकाश, विजय, राकेश, राहुल, हिमांशु, निखिल मौजूद थे। प्रथम पुरस्कार 15000 एवं शील्ड नगर पालिका के सभापति केकती सोनवानी द्वारा प्रदान किया गया। द्वितीय पुरुस्कार 7000 एवं शील्ड नगर पालिका अध्यक्ष ओमकुमारी-संजय साहू द्वारा दी गई एवं तृतीय पुरुस्कार 4000 एवं शील्ड राजा साहू द्वारा प्रदान किया गया।